लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1072
दिनांक 08.02.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

हथकरघा क्षेत्र का विकास

1072. श्री पी.सी. मोहन:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हाल के दिनों में हथकरघा क्षेत्र का विकास हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) सरकार द्वारा हथकरघा क्षेत्र पर निर्भर श्रमिकों की आजीविका में सुधार के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (घ): हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण आजीविका का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग है, जिसमें 35 लाख से अधिक लोग शामिल हैं और उनमें से अधिकांश महिलाएं हैं।

भारत सरकार कई नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा और प्रोत्साहन दे रही है। पूरे देश में हथकरघा के विकास और हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं:

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी);
2. कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस);

उपर्युक्त योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चे माल, करघे और सहायक उपकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजाइन और उत्पाद विकास, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग, बुनकर मुद्रा ऋण आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त के अलावा, सरकार ने हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने और हथकरघा बुनकरों/कामगारों की आजीविका में सुधार करने के लिए निम्नलिखित पहल की हैं:

- उत्पादकता, मार्केटिंग क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर आय सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों में 148 हथकरघा उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है।
- हथकरघा क्षेत्र में डिजाइन उन्मुख उत्कृष्टता के निर्माण और सृजन के लिए गुवाहाटी, दिल्ली, मुंबई, वाराणसी, अहमदाबाद, जयपुर, भुवनेश्वर, कांचीपुरम, कोलकाता, मेरठ, नागपुर, इंदौर और पानीपत के बुनकर सेवा केंद्रों में डिजाइन संसाधन केंद्र स्थापित किए गए हैं ताकि बुनकरों, निर्यातकों, निर्माताओं और डिजाइनरों को नमूना/उत्पाद सुधार और विकास के लिए डिज़ाइन रिपॉजिटरी तक पहुंचने की सुविधा प्रदान की जा सके।
- बुनकरों के लिए अपने उत्पादों की मार्केटिंग और बिक्री के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न घरेलू मार्केटिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। बुनकरों के लिए मार्केटिंग अवसर प्रदान करने हेतु प्रत्येक वर्ष लगभग 200 कार्यक्रम राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर आयोजित किए जाते हैं।
- हथकरघा उत्पादों के निर्यात संवर्धन के लिए हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग मेलों/कार्यक्रमों में भाग लेती रही है/आयोजित करती रही है।
- उच्च गुणवत्ता वाले हथकरघा उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए 'इंडिया हैंडलूम' ब्रांड (आईएचबी) लॉन्च किया गया है, जिसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता, शून्य दोषों के साथ प्रामाणिक डिजाइन और पर्यावरण पर शून्य प्रभाव वाले विशिष्ट हथकरघा उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देना है।

*****